सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 254 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 24 अक्टूबर, 2022

लाखों दीपों से जगमगाई भगवान राम की अयोध्या... 3

सीमा से पीएम मोदी का देश के दुश्मनों को संदेश, कहा

कारगिल में कुचला था आतंक का फन, बिना सामर्थ्य शांति असंभव

» दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना जानती है भारतीय सेना

» पीएम ने सैनिकों संग मनाई दिवाली, देशवासियों को दी शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिवाली के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कारगिल पहुंचे और सेना के जवानों के साथ दिवाली मनायी। जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ एक भी लड़ाई ऐसी नहीं हुई है जहां कारगिल ने विजय ध्वज न फहराया हो। इससे बेहतर दिवाली कहां नसीब होगी। दिवाली का अर्थ है आतंक के अंत का उत्सव। यही कारगिल में भी किया था। कारगिल में भारतीय सेना ने आतंक के फन को कुचला था, ऐसी दिवाली मनी थी कि लोग आज भी याद करते हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने उस युद्ध को करीब से देखा था। अधिकारियों ने मुझे मेरी 23 साल पुरानी तस्वीर दिखाई। मैं आपका आभारी हूं, मुझे आपने मेरे वो पल याद दिलाए। मेरे कर्तव्य पथ मुझे रणभूमि पर ले आए थे। देश ने जो राहत सामग्री भेजी थी हम उसे लेकर यहां पहुंचे थे। उस समय की बहुत यादें हैं जो मैं कभी भूल नहीं सकता। उन्होंने कहा कि आज भारत मिसाइल डिफेंस सिस्टम को सशक्त कर रहा है। ड्रोन पर भी तेजी से काम कर रहा है। हम उस परंपरा को मानने वाले हैं जहां युद्ध को पहला विकल्प नहीं माना जाता। हमने युद्ध को हमेशा अंतिम विकल्प माना है। युद्ध लंका में हुआ हो या कुरुक्षेत्र में, हमने युद्ध को टालने की कोशिश की। हम विश्व शांति के समर्थक हैं लेकिन शांति भी बिना सामर्थ्य के संभव नहीं होती। पीएम ने पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बिना कहा कि अगर कोई हमारी तरफ नजर उठाकर देखेगा तो हमारी तीनों सेनाएं दुश्मन को उसी की भाषा में मुंहतोड़ जवाब देना जानती हैं। जब यूक्रेन में लड़ाई छिड़ी तो हमारा प्यारा तिरंगा भारतीयों के लिए सुरक्षा कवच बना। भारत का विश्व में मान बढ़ा है।

गिनाईं उपलब्धियां

पीएम मोदी ने कहा कि जब देश के लोग स्वच्छता के मिशन से जुड़ते हैं, गरीब को पक्का घर, पीने का पानी, बिजली और गैस जैसी सुविधाएं रिकॉर्ड समय पर मिलती हैं तो हर जवान को गर्व महसूस होता है। आज देश की अर्थव्यवस्था 10वें से 5वें स्थान पर आई है। दो दिन पहले इसरो ने 36 सैटेलाइट लॉन्च कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। अंतरिक्ष में भारत अपना सिक्का जमाता है तो कौन जवान है जिसकी छाती चौड़ी नहीं होती। देश भ्रष्टाचार के खिलाफ भी निर्णायक युद्ध लड़ रहा है। भ्रष्टाचारी बच नहीं सकता। आज देश गुलामी की मानसिकता से छुटकारा पा रहा है।

चाहता हूं देश की धरती तुझे कुछ और भी दूं

पीएम मोदी ने कहा, चाहता हूं देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूं... हमारा भारत एक जीवंत विभूति है, एक अमर अस्तित्व है। जब हम भारत की बात करते हैं तो वीरता की विरासत उठ खड़ी होती है। अतीत में असीम लपटें उठीं लेकिन भारत के अस्तित्व की सांस्कृतिक धारा आज भी अमर है। मेरे जवानों राष्ट्र कब अमर होता? राष्ट्र तब अमर होता जब उसकी संतानों को, बेटे-बेटियों को अपने सामर्थ्य पर परम विश्वास होता है।

सीएम योगी ने दीपावली की दी शुभकामनाएं

रामनगरी अयोध्या में रविवार को भव्य तथा दीपोत्सव के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में ही रात्रि विश्राम किया। आज सुबह उन्होंने श्रीरामलला विराजमान और हनुमान गढ़ी का दर्शन-पूजन किया और प्रदेश के सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्साह व हर्ष के आलोक से हर घर आलोकित हो, यही दीपावली का उद्देश्य है। मेरी सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी गण से अपील है कि यह दीपावली किसी वंचित या जरूरतमंद परिवार के साथ भी मनाएं।

कुलपतियों का इस्तीफा मांगने पर भड़के येचुरी, कहा

आरएसएस के नेताओं को कुलपति बनाना चाहते हैं राज्यपाल आरिफ

» नौ कुलपतियों ने किया हाईकोर्ट का रुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का केरल सरकार से विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यपाल आरिफ ने राज्य के सभी कुलपतियों से इस्तीफा मांगा है जिसके विरोध में नौ कुलपतियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वहीं सीपीआई नेता सीताराम येचुरी ने आरोप लगाया कि वे कुलपतियों के पद पर आरएसएस नेताओं को बैठाना चाहते हैं।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के फैसले पर हैरानी जताते हुए सीपीआई नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि ऐसा निर्देश देने का उनके पास कोई अधिकार नहीं है। यह मनमाना, अवैध और राजनीति से प्रेरित है। वे केरल की उच्च शिक्षा प्रणाली को नियंत्रित और नष्ट करना चाहते हैं। वे वहां आरएसएस कार्यकर्ताओं को नियुक्त करना और उच्च शिक्षा प्रणाली को नियंत्रित करना चाहते हैं ताकि हिंदुत्व का प्रचार कर सकें।

खड़गे की ताजपोशी से एकजुटता का संदेश देगी कांग्रेस

» असंतुष्ट नेता भी समारोह में कर सकते हैं शिरकत, भेजा गया निमंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मल्लिकार्जुन खड़गे 26 अक्टूबर को कांग्रेस के नए अध्यक्ष की कमान संभालेंगे। इस मौके पर एकजुटता का संदेश देने के लिए पार्टी ने तमाम बड़े नेताओं को कांग्रेस मुख्यालय में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के निर्देश दिए हैं। असंतुष्ट नेता भी समारोह में शामिल हो सकते हैं। इस दौरान खड़गे को अध्यक्ष चुने जाने का प्रमाणपत्र सौंपा जाएगा। कार्यभार संभालने के बाद खड़गे कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुला सकते हैं।

कांग्रेस की निर्वतमान अध्यक्ष सोनिया गांधी उन्हें अपने साथ ले जाकर अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाएंगी। इस दौरान पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस कार्यसमिति के सभी सदस्यों, प्रदेश अध्यक्षों, विधायक दल और विधानमंडल के नेताओं, एआईसीसी के तमाम पदाधिकारियों, सांसदों, पूर्व मुख्यमंत्रियों, राज्य सरकार में मंत्रियों और कार्यकारी अध्यक्ष को आमंत्रित किया है। कांग्रेस के लिए यह समारोह बेहद अहम है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि चुनाव के जरिए नया अध्यक्ष चुने जाने के बाद असंतुष्ट गुट खत्म हो गया है। लगभग सभी असंतुष्ट नेताओं ने चुनाव में खड़गे का समर्थन किया है। खड़गे पार्टी अध्यक्ष पद ऐसे वक्त संभाल रहे हैं, जब कांग्रेस अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही है। पार्टी की सिर्फ दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार बची है। दोनों में अगले साल विधान सभा चुनाव हैं। इन दोनों प्रदेशों में पार्टी अंदरुनी कलह से जूझ रही है। वर्ष 2023 में देश के कुल नौ राज्यों में विधान सभा चुनाव होने हैं।

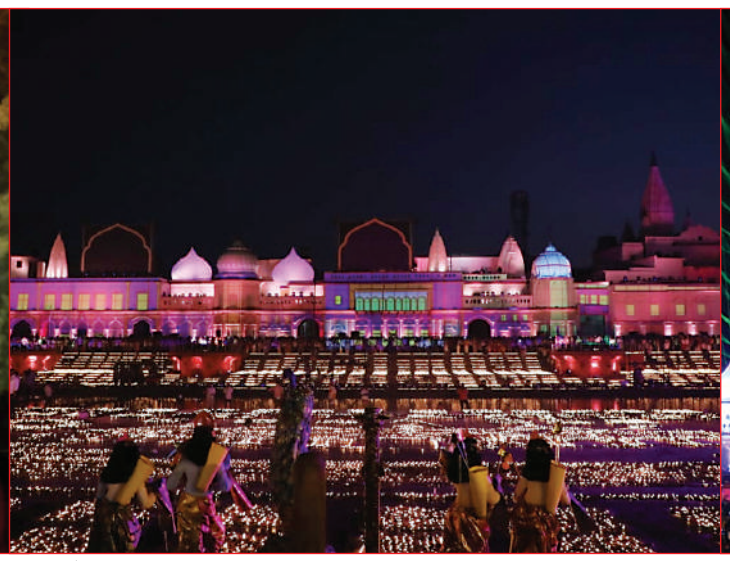

फोटो: सुमित कुमार

लाखों दीपों से जगमगाई भगवान राम की अयोध्या, आसमान हुआ सतरंगी

» दीपोत्सव में बोले पीएम मोदी, कर्तव्य पथ पर चलकर ही रामराज की संकल्पना होगी साकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दीपावली पर भगवान राम की नगरी अयोध्या लाखों दीपों से जगमगा उठी। जमीन से आसमान तक सतरंगी नजारा दिखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपोत्सव में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि श्रीराम ने अपने वचनों, विचारों और अपने शासन में जिन मूल्यों को गढ़ा है, वे सबका साथ, सबका विकास की प्रेरणा हैं और सबका विश्वास, सबका प्रयास का आधार भी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, संयोग देखिए, हमारे संविधान की मूल प्रति पर भगवान राम, मां सीता और लक्ष्मण का चित्र अंकित है। संविधान का वह पृष्ठ भी मौलिक अधिकारों की बात करता है। यानी हमारे संवैधानिक अधिकारों की एक और गारंटी। साथ ही प्रभु राम के रूप में कर्तव्यों का शाश्वत सांस्कृतिक बोध भी, इसलिए हम जितना कर्तव्यों के संकल्प को मजबूत करेंगे राम जैसे राज्य की संकल्पना उतनी ही साकार होती जाएगी।

प्रधानमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा एक समय था जब राम के बारे में हमारी संस्कृति और सभ्यता के बारे में बात करने तक से बचा जाता था। राम के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाते थे। उसका परिणाम क्या हुआ, हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक स्थान और नगर पीछे छूटते चले गए। उन्होंने कहा, हम यहीं अयोध्या के राम घाट पर आते थे तो दुर्दशा देखकर मन दुखी हो जाता था। काशी की तंग और गंदगी भरी वह गलियां परेशान कर देती थी, जिन स्थानों को हम अपनी पहचान का अपने अस्तित्व का प्रतीक मानते थे जब वही बदहाल थे तो देश के उत्थान का मनोबल अपने आप टूट जाता था। अयोध्या रेलवे स्टेशन के साथ-साथ विश्वस्तरीय हवाई अड्डे का भी निर्माण किया जाएगा। अयोध्या के विकास के साथ-साथ रामायण सर्किट के विकास पर भी काम चल रहा है। यानी अयोध्या से जो विकास अभियान शुरू हुआ उसका विस्तार आसपास के पूरे क्षेत्र में होगा। प्रधानमंत्री ने देशवासियों का पंच प्राणों को आत्मसात करने का आह्वान दोहराते हुए कहा इन पंच प्राणों की ऊर्जा जिस एक तत्व से जुड़ी हुई है, वह है भारत के नागरिकों का कर्तव्य। दीपोत्सव के इस पावन अवसर पर हमें अपने इस संकल्प को दोहराना है।

रामलला के दरबार में टेका मत्था

भूमि पूजन के बाद दीपोत्सव में शिरकत करने रामनगरी पहुंचे पीएम मोदी ने परिसर में 43 मिनट बिताए। रामलला के दरबार में मत्था टेका और सनातन संस्कृति के निर्माणाधीन राम मंदिर के गर्भगृह में आरती भी की। कार्यदायी संस्था के विशेषज्ञों से निर्माण की बारीकियों और प्रगति की जानकारी ली। निर्माण में जुटे इंजीनियरों से संवाद किया, कुछ समझाया और हंसाया भी। जन्मभूमि पर राम मंदिर के रूप में साकार हो रहे संकल्प की सिद्धि को देखने और रामलला के दरबार में पूजन-अर्चन करने पहुंचे पीएम मोदी रामलला के दरबार में नतमस्तक हुए पुष्पार्चन और दो दीप जला दीपांजलि की। मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने पीएम को तिलक लगाया। इस दौरान मोदी ने आसपास का नजारा देखा तथा कार्यदायी संस्था के विशेषज्ञ ने एक-एक बिंदु पर जानकारी दी तथा प्रदर्शनी के माध्यम से योजना को विस्तार से समझाया।

पुष्प वर्षा से भगवान राम का स्वागत

सरयू तट पर जल रहे 17 लाख दीपों के बीच निहाल श्रद्धालुओं का हर्ष, उमंग और उल्लास देखते ही बन रहा था। अयोध्या के मंदिरों, छोटी गलियों से लेकर मुख्य मार्गों, सभी सरकारी, धार्मिक भवनों पर तो आकर्षक लाइटिंग की ही गई थी, नगरवासियों ने भी अपने घरों को सजाया-संवारा था। दीपोत्सव के अवसर पर राम की पैड़ी पर पीएम मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक व यूपी सरकार के अन्य सहयोगियों ने दीप जलाकर सरयू मैया की आरती उतारी। पुष्पक विमान से अवधपुरी में राम-लक्ष्मण व मां सीता उतरीं तो हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। मुख्यमंत्री ने रथ भी खींचा। अयोध्या वाली दीपावली में अपने सिरमौर के प्रति श्रद्धा का यह नजारा देख कई आंखों से खुशी के आंसू निकल पड़े।

यूनेस्को की धरोहर सूची में शामिल होगा सारनाथ

» दल ने पुरावशेषों और स्मारकों का किया निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

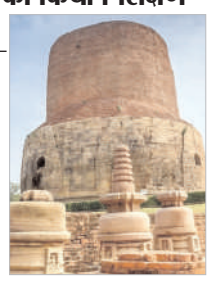

लखनऊ। वाराणसी के सारनाथ स्थित पुरातात्विक खंडहर परिसर में स्थित प्राचीन पुरावशेषों को यूनेस्को की सूची में शामिल किया जाएगा। इसे लेकर यूनेस्को की तीन सदस्यीय दल ने सारनाथ के पुरावशेषों, स्मारकों को देखने के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके लिए आभा नारायण लांबा एसोसिएट की निदेशिका आभा नारायण के नेतृत्व में वाराणसी पहुंचे तीन सदस्यीय दल में पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. अरविंद जाम खेटकर और बौद्ध दर्शन के प्रो. सूरज पंडित शामिल हैं।

सारनाथ स्थित भारतीय पुरातत्व कार्यालय में विभाग के रीजनल डायरेक्टर पीके मिश्रा एवं पर्यटन विभाग, विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें स्मारकों के संरक्षित क्षेत्र में अवैध निर्माण एवं पुरावशेषों के रखरखाव पर चर्चा हुई। इसके बाद पुरातात्विक खंडहर परिसर में अवलोकन कर फोटोग्राफी की।

मसूद-जमाली के जरिए सपा के मुस्लिम मतों में सेंध लगाने की तैयारी में बसपा

» सपा के अन्य मुस्लिम नेताओं पर पार्टी की नजर

» मायावती का लोक सभा चुनाव पर फोकस आजमगढ़-सहारनपुर को दी तवज्जो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश से शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली और अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में दखल रखने वाले इमरान मसूद को साथ लेकर मायावती एक बार फिर मुस्लिम समाज में बसपा की पैठ बनाने में जुट गई हैं। मायावती की कोशिश है कि सपा के और भी मुस्लिम नेताओं को हाथी पर सवार कर लोक सभा चुनाव के मैदान में उतरें ताकि वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव जैसी नौबत पार्टी के सामने फिर न आए। पिछले लोक सभा चुनाव की तरह सपा से गठबंधन न होने पर भी दलित-मुस्लिम के मजबूत गठजोड़ के जरिए अकेले ही पार्टी बेहतर प्रदर्शन करने में कामयाब हो।

दरअसल, छह माह पहले के विधान सभा चुनाव में बसपा 19 से सिर्फ एक सीट और 13 प्रतिशत वोट बैंक पर ही सिमट कर रह गई थी। इस बीच वर्ष 2019 के लोक सभा चुनाव में बसपा के 10 सांसद तब जीते थे जब सपा से गठबंधन था। उससे पहले वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में तो पार्टी शून्य पर पहुंच गई थी।

विधान सभा चुनाव में बसपा के शर्मनाक प्रदर्शन के पीछे का एक बड़ा कारण मुस्लिमों का एकतरफा समाजवादी पार्टी को वोट देना माना गया। मुस्लिमों को 89 टिकट देने के बाद भी उनमें कोई नहीं जीता। दलित समाज भी पहले जैसा मायावती के साथ नहीं खड़ा हुआ। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के जरिए भाजपा भी दलित वोट बैंक में गहरी सेंध लगाने में कामयाब रही। अब लोक सभा चुनाव के मद्देनजर मायावती एक साथ कई मोर्चे पर काम कर रही हैं। संगठन को नए सिरे से खड़ा करने के साथ ही खासतौर से दलितों को फिर पार्टी से जोड़ने को सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। सिर्फ दलितों के दम पर बेहतर नतीजे नहीं हासिल किए जा सकते इसलिए विधान सभा चुनाव में लगे झटके के बाद से ही बसपा प्रमुख मुस्लिम समाज को भी फिर पार्टी से जोड़ने की कोशिश में जुटी हैं। आजमगढ़ लोक सभा सीट के उपचुनाव में मायावती ने मुस्लिम समाज के शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली पर दांव लगाया। जमाली जीते तो नहीं लेकिन 30 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहे। इससे उत्साहित मायावती की आए दिन ट्वीट के जरिए मुस्लिम समाज को यही बताने की कोशिश रहती हैं कि विधान सभा चुनाव में सपा पर भरोसा करके उसने बड़ी भारी भूल की है। कहती हैं कि सपा मुखिया यूपी में मुस्लिमों का पूरा वोट लेकर भी सीएम नहीं बन पाएं। बसपा प्रमुख ने जेल में बंद रहे आजम खां के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए भी ट्वीट किया था जिसके पीछे भी मुस्लिमों को अपने पाले में लाने का संदेश था।

मुस्लिम समाज का सपा से मोह भंग होने लगा : बसपा

बसपा नेताओं का मानना है कि जिस तरह से सपा व दूसरे दल के मुस्लिम नेता हमसे जुड़ रहे हैं उससे साफ है कि मुस्लिम समाज का सपा से मोह भंग होने लगा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मवीर चौधरी के मुताबिक सपा सहित दूसरे दलों के कई और नेता भी बसपा में शामिल होना चाहते हैं। बहन जी (मायावती) उन्हीं को पार्टी में लेंगी जो अच्छी नीयत व पूरी दमदारी से काम करने के वादे के साथ बसपा में आने को तैयार होंगे। चौधरी बताते हैं कि सपा को वोट देकर ठगा सा महसूस कर रहा मुस्लिम समाज अब समझ चुका है कि सपा को वोट देने से उनकी सरकार कभी नहीं बनने वाली है जबकि दलित के साथ मुस्लिम के आने पर बसपा वर्ष 2007 में सरकार बना चुकी है।

बसपा को बताया बीजेपी का विकल्प

यूपी विधान सभा चुनाव 2022 शुरू होने से पहले ही इमरान मसूद ने कांग्रेस छोड़कर सपा का हाथ थामा था लेकिन अब वह बसपा में शामिल हो रहे हैं। इमरान मसूद का कहना है कि मुसलमानों ने सपा को खूब वोट दिया, फिर भी सरकार नहीं बन पाई। ऐसे में अगर प्रदेश में बीजेपी का कोई विकल्प है तो वह बहुजन समाज पार्टी ही है। फिलहाल, यह बताया जा रहा है कि इमरान मसूद बसपा के टिकट पर परिवार के किसी सदस्य को मेयर का चुनाव भी लड़वा सकते हैं। माना जा रहा है कि मायावती को पश्चिमी यूपी के लिए जो बड़े मुस्लिम चेहरे की तलाश थी, वह अब पूरी हो गई है। इमरान मसूद को मुस्लिम समुदाय तो वोट देता ही है, साथ ही अन्य धर्मों और वर्गों की जनता भी उन्हें पसंद करती है। ऐसे में मायावती इमरान मसूद के जरिए सहारनपुर में अपनी जमीन पक्की करने की कोशिश कर रही हैं।

अपने समुदाय का चाहते हैं विकास

बसपा में शामिल होने के बाद इमरान मसूद कहते हैं कि प्रदेश में अगर भारतीय जनता पार्टी का कोई विकल्प है, तो वह बहुजन समाज पार्टी ही है। मसूद ने कहा कि वह बसपा में आधिकारिक रूप से शामिल हो गए हैं। अब वह बहन जी के हाथों को मजबूत करेंगे और लोक सभा चुनाव में मुस्लिम वोट बसपा के खाते में डालने का काम करेंगे। इसके अलावा मसूद ने प्रदेश के मुसलमानों के लिए कहा है कि मुस्लिम समुदाय को अपने वोट की ताकत का एहसास करना होगा और अगर राज्य का और अपने समुदाय का विकास चाहते हैं तो सही पार्टी को वोट करना होगा।

सीमा विस्तार वाले निकायों में नए सिरे से होगा वार्ड आरक्षण

निकाय चुनाव की तैयारी तेज, सर्वे के बाद जारी होंगे निर्देश

» जिन निकायों में सीमा विस्तार नहीं, वहां पुराने रोटेशन से चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीमा विस्तार वाले नगर निकायों में नए सिरे से वार्ड आरक्षण तय किया जाएगा यानी आरक्षण के लिए पहले से चले आ रहे चक्रानुक्रम (रोटेशन) को शून्य मानकर नये सिरे आरक्षण किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक जिन निकायों का सीमा विस्तार नहीं किया गया है, वहां आरक्षण पुराने रोटेशन से होगा। हालांकि सभी शहरी निकायों से रैपिड सर्वे (ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए इनकी अनुमानित संख्या का आकलन) का आंकड़ा फाइनल होने के बाद ही आदेश जारी किए जाएंगे।

पिछली बार की तुलना में इस बार 111 अधिक निकायों में चुनाव कराए जाएंगे। सीमा विस्तार से कई वार्ड की चौहद्दी भी बदल गई है। बता दें कि नगरीय निकायों में मेयर और अध्यक्ष की सीटों के अलावा वार्डों का आरक्षण रोटेशन के आधार पर तय होता है यानी, सामान्य स्थितियां होने और आबादी मुफीद होने पर पहले सीटों का आरक्षण एससी महिला-एससी, ओबीसी महिला-ओबीसी और फिर सामान्य के लिए तय होता है। इसमें

वॉर्डों की आबादी में एससी और ओबीसी की संख्या भी अहम होती है। एक बार आरक्षण तय होने के बाद अगली बार आरक्षण का क्रम एक चरण आगे बढ़ जाता है यानी महिलाओं के लिए आरक्षित सीट को जाति विशेष की सामान्य सीट या सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित किया जा सकता है। यही प्रक्रिया नगरीय निकायों में चेयरमैन या मेयर की सीट का आरक्षण तय करने के लिए भी अपनाई जाती है। जिन निकायों में नये सिरे से आरक्षण होगा वहां तमाम चेहरे बदल जाएंगे। जो चेहरे सामान्य सीटों पर काबिज हैं, उनमें से कई जातिगत तौर पर आरक्षित हो सकते हैं।

पहली नवंबर से बन सकते हैं मतदाता

नगरीय निकाय चुनाव की मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए एक नवंबर से आवेदन किए जा सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की समय सारिणी जारी कर दी है। मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन 31 अक्टूबर को होगा। एक से सात नवंबर के बीच दावे व आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस बार मात्र 18 दिनों में मतदाता सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 नवंबर को होगा। नगरीय निकायों का कार्यकाल जनवरी में पूरा हो रहा है। इससे पहले राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव कराना है। सरकार ने चुनाव से पहले बड़ी संख्या में नए नगरीय निकायों का गठन व सीमा विस्तार किया है। इस कारण परिसीमन में भी विलंब हो रहा है। वर्ष 2017 में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में करीब डेढ़ माह चला था।

ऑनलाइन मतदाता बनने के लिए मात्र चार दिन

नगरीय निकाय चुनाव की मतदाता सूची में ऑनलाइन नाम दर्ज कराने के लिए इस बार मात्र चार दिन मिलेंगे। एक नवंबर से चार नवंबर के बीच आयोग की वेबसाइट (http://sec.up.nic.in) पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। वर्ष 2017 में ऑनलाइन मतदाता बनने के लिए 15 दिन का समय आयोग ने दिया था।

“अधिसूचना के अनुसार इस बार 31 अक्टूबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन होगा। एक से सात नवंबर के बीच दावे व आपत्तियां प्राप्त किए जाएंगे। आठ से 12 नवंबर के बीच दावे व आपत्तियों का निस्तारण होगा। 14 से 17 नवंबर तक पूरक मतदाता सूची तैयार कर उन्हें मूल सूची में शामिल किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 18 नवंबर को होगा।

मनोज कुमार, आयुक्त
राज्य निर्वाचन

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रकाश पर्व के संदेश को करें आत्मसात

पूरे देश में रौशनी का त्यौहार दीपावली हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। दीये और बिजली के झालरों से हर घर जगमगा रहा है। बाजार गुलजार हैं। बूढ़े-बच्चे और नौजवान उत्साह से लबरेज हैं। शुभकामनाओं का दौर भी जारी है। वहीं प्रकाश पर्व में कुछ प्रश्न भी मन-मस्तिष्क में उमड़-घुमड़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या प्रकाश पर्व के संदेश को हमारा समाज आत्मसात कर सका है?

पूरे देश में रौशनी का त्यौहार दीपावली हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। दीये और बिजली के झालरों से हर घर जगमगा रहा हैं। बाजार गुलजार हैं। बूढ़े-बच्चे और नौजवान उत्साह से लबरेज हैं। शुभकामनाओं का दौर भी जारी है। वहीं प्रकाश पर्व में कुछ प्रश्न भी मन-मस्तिष्क में उमड़-घुमड़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या प्रकाश पर्व के संदेश को हमारा समाज आत्मसात कर सका है? क्या समाज में व्याप्त कुरीतियां समाप्त हो सकी हैं? क्या आतंकवाद, सांप्रदायिकता और जातिवाद का जहर खत्म हो सका है? क्या देश गरीबी-अशिक्षा से मुक्त हो सका है? क्या महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकार सुनिश्चित हुए हैं? क्या लैंगिक भेदभाव से खत्म हो सका है? क्या बीमारियों पर नियंत्रण लग सका है? क्या प्रकृति के प्रति मनुष्य के क्रूर व्यवहार में बदलाव आया है? क्या भारतीय राजनीति में सकारात्मक परिवर्तन आ सका है? क्या लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों को जमीन पर उतारा जा सका है?

प्रकाश पर्व दीपावली अंधरे से उजाले का संदेश देता है। यह अंधेरा हमारे भीतर और बाहर दोनों जगहों पर विद्यमान है। हम आज भी अपने अंदर की बुराइयों को खत्म नहीं कर सके हैं। हमारे अंदर का रावण आज भी जिंदा है। यह दीगर है कि भगवान राम जब रावण का वध कर अयोध्या पहुंचे थे तो लोगों ने उनका दीप जलाकर स्वागत किया था और तभी से हम हर साल दीपावली मना रहे हैं। प्रकाश पर्व पर देश में व्याप्त बुराइयों पर गंभीर चिंतन की जरूरत है ताकि इसको दूर किया जा सके। सच यह है कि समाज में जातिवाद व सांप्रदायिकता का जहर बढ़ता जा रहा है। धर्म-जाति के नाम पर खूनी खेल खेला जा रहा है। आतंकवाद ने पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लिया है। युद्ध में निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। गरीबी, महंगाई और अशिक्षा आज भी बरकरार है। विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति को नष्ट किया जा रहा है। हमने नदियों, पहाड़ों और जंगलों को बर्बाद कर दिया है। प्रकृति के साथ किए गए इस क्रूर व्यवहार के कारण हम प्रदूषण झेलने को अभिशप्त है। देश में आज भी कई करोड़ लोगों को भरपेट भोजन नसीब नहीं हो रहा है। हंगर इंडेक्स में देश निचले पायदान पर पहुंच चुका है। स्त्री-पुरुष का भेदभाव समाप्त नहीं किया जा सका है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं। हम आज भी एक अनुशासित नागरिक नहीं बन सके हैं। देश में लोकतांत्रिक आदर्शों और मूल्यों का लगातार क्षरण हो रहा है। बावजूद इसके निराशा के इस गर्त में आशा की किरण बाकी हैं। आइए, प्रकाश पर्व पर हम उम्मीदों का ऐसा दीया जलाएं जिससे पूरी दुनिया रौशन हो उठे। दीपावली की शुभकामनाएं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मेडिकल शिक्षा में भाषाई विकल्प के किंतु-परंतु

दिनेश सी. शर्मा

पिछले हफ्ते भोपाल में इंग्लिश से हिंदी में अनुवादित तीन मेडिकल शिक्षा पुस्तकों का विमोचन हुआ। ये किताबें मध्य प्रदेश में एमबीबीएस कोर्स हिंदी भाषा में शुरू करने वाली कवायद का हिस्सा हैं। यह प्रयास केंद्रीय सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति क्रियान्वित किए जाने के उपरांत आया, जिसके अंतर्गत तकनीकी और मेडिकल कोर्स की पढ़ाई भारतीय भाषाओं में करवाने पर बल देना है। तमाम मुख्य प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे कि व्यावसायिक कोर्सों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी के अलावा एक दर्जन से अधिक भारतीय भाषाओं में दिए जाने का प्रावधान है। इसे विश्वविद्यालयों में स्नातक कोर्स प्रवेश के लिए संयुक्त परीक्षा वाली नई योजना में भी अपनाया गया है।

उच्चस्तरीय पढ़ाई भारतीय भाषाओं में करवाना कोई नया विचार नहीं है। देशभर के शिक्षा संस्थानों में पीएचडी स्तर तक का पाठ्यक्रम विभिन्न भाषाओं में है। आयुर्वेदिक चिकित्सा की पढ़ाई भी हिंदी सहित अन्य भारतीयों भाषाओं में होती आई है। कुछ साल पहले, तमिलनाडु ने भी मेडिकल शिक्षा तमिल में करवाने पर विचार किया गया था। उस्मानिया विश्वविद्यालय में 1918-1948 के बीच मेडिसिन और इंजीनियरिंग की पढ़ाई उर्दू में करवाई जाती थी। बावजूद इसके सबसे बड़ी चुनौती है तकनीकी और विज्ञान विषयक पुस्तकों का अनुवाद करना। बीमारियां, अंग, शारीरिक संरचना और लक्षणों इत्यादि का जो नामकरण अंग्रेजी में है, क्या भारतीय भाषाओं में जस-का-तस रखा जाएगा या अनुवादित रूपांतरण? भोपाल में जारी तीन किताबों के शीर्षक- एनाटॉमी, बायोकैमेस्ट्री और फिजियोलॉजी- के मुताबिक तो यही लगता है कि अनुवादित पुस्तकों में अंग्रेजी की जानी-पहचानी शब्दावली को अपनाया गया है। प्रभावी रूप से, पाठ्यक्रम सामग्री की व्याख्या ही हिंदी में होगी जबकि शब्दावली अंग्रेजी वाली रहेगी। उम्मीद करें कि अनुवादित पुस्तकों की भाषा संस्कृत पुट वाली मुश्किल न होकर सरल और बोलचाल वाली रखी जाएगी। यह कार्य दोनों भाषाओं के विषयक माहिरों द्वारा सावधानीपूर्वक किया जाना जरूरी है। भावी चिकित्सकों के लिए कोर्स सामग्री की गुणवत्ता से समझौता न होने पाए क्योंकि आगे चलकर इन स्नातकों ने मानव जीवन बचाना है। पाठ्यक्रम पुस्तकें मेडिकल कोर्स का केवल एक भाग होती हैं जबकि सैकड़ों की संख्या में संदर्भ सामग्री, नियमावली और मेडिकल संहिताएं अधिकांशत: अंग्रेजी

में हैं और चिकित्सक के प्रशिक्षण और कार्य करने में इनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। फिलहाल भारत में लगभग 600 मेडिकल कॉलेज हैं और विद्यार्थी अपने गृह-राज्य से इतर अन्य सूबों के कॉलेजों में दाखिला लेने को स्वतंत्र हैं। किंतु अब अंग्रेजी तजने से यह विकल्प मुश्किल बन जाएगा, उदाहरणार्थ जिस विद्यार्थी ने डिग्री मध्य प्रदेश में हिंदी पाठ्यक्रम से ली होगी, उसके लिए अन्य राज्य कर्नाटक या महाराष्ट्र जाकर स्नातकोत्तर कोर्स करना कठिन हो जाएगा, क्योंकि वहां शिक्षा माध्यम या तो अंग्रेजी में होगा या फिर स्थानीय भाषा में। विद्यार्थियों के लिए आगे की पढ़ाई विदेशों में करना और भी मुश्किल होगा। यदि पाठ्यपुस्तकों का अनुवाद अनेक भारतीय भाषाओं में होने जा रहा है तो परस्पर सुसंगतता के लिए शब्दावली का मानकीकरण जरूरी है। तकनीकी कोर्स की पढ़ाई मातृभाषा में करवाने के पैरोकार जापान का उदाहरण देते हैं, जिसने जापानी भाषा के माध्यम से वैज्ञानिक और औद्योगिक क्षेत्र में तरक्की की है। चीन, रूस, जर्मनी भी अपने यहां तकनीकी कोर्स अपनी-अपनी भाषा में करवाते हैं और कई दशकों से नई तकनीकी शब्दावली भी ईजाद करते आए हैं। इन मुल्कों और भारत में अंतर यह है कि वहां का समाज ज्यादातर एकल-संस्कृति आधारित है जबकि भारत में विविध भाषाएं और संस्कृतियां हैं।

गृहमंत्री शाह ने आईआईटी और आईआईएम में दिए अपने संबोधनों में तकनीकी शिक्षा भारतीय भाषाओं में शुरू करने का जिक्र किया है। भोपाल में उन्होंने कहा कि 10 राज्य सरकारें अपने यहां इंजीनियरिंग की पढ़ाई स्थानीय भाषा में करवाने की तैयारी कर रही हैं और इसके लिए तमिल, तेलुगू, मराठी, बंगाली, मलयालम और गुजराती में अनुवाद किया जा रहा है। शब्दावली की समस्या के अलावा भारतीय भाषाओं में शिक्षा से जुड़े ऐसे कोर्स आर्थिकी के लिए महत्वपूर्ण सेवा क्षेत्र में भारत की प्रतिस्पर्धा को क्षीण करेंगे, खासकर आउटसोर्सिंग में हमारी सरदारी को। सॉफ्टवेयर और आई-टी युक्त सेवाओं में भारत की बढ़त बनाने के मुख्य गतिज कारकों में एक बड़ी भूमिका हमारे इंजीनियरिंग बल की अंग्रेजी में हाथ साफ होने की रही। भारत को ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जो इस क्षेत्र में मौजूदा अग्रणी स्थिति को कमजोर करता हो।

ढहते पहाड़ से बिगड़ता प्राकृतिक संतुलन

पंकज चतुर्वेदी

ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी जंगल उजाड़ दिये गये पहाड़ों से ही हुआ है। यह विडंबना है कि आम भारतीय के लिए पहाड़ पर्यटन स्थल है या फिर उसके कस्बे का पहाड़ एक डरावनी सी उपेक्षित संरचना। पर्वतीय राज्यों में बेहिसाब पर्यटन ने प्रकृति का हिसाब गड़बड़ाया तो गांव-कस्बों में विकास के नाम पर आये वाहनों के लिए चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने या कंक्रीट उगाहने के लिए पहाड़ को ही निशाना बनाया गया।

मानसून हमारी आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था का आधार है लेकिन जलवायु परिवर्तन के असर के गहराते ही पहाड़ों पर पावस एक त्रासदी के रूप में कहर बरपा रहा है। वर्ष 2015 से जुलाई, 2022 के बीच देश में पहाड़ों पर भूस्खलन की 2239 घटनाएं दर्ज हुईं। देश के लगभग 13 फीसदी क्षेत्र यानी 4.3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अब भूस्खलन-संभावित माना गया है। बीते सात साल के आंकड़े बताते हैं कि भूस्खलन की घटनाओं में 10 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वैज्ञानिक शोध कहते हैं कि बढ़ते भूस्खलनों के लिए जलवायु परिवर्तन के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में बदल रही बरसात की प्रकृति और मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतों के आकार और ढलान में हो रहे परिवर्तन इसकी प्रमुख वजह हैं। पहाड़ केवल पत्थर के ढेर नहीं होते। वे इलाके के जंगल, जल और वायु की दशा और दिशा तय करने के साध्य होते हैं। जहां सरकार पहाड़ के प्रति बेपरवाह है तो पहाड़ की नाराजगी भी समय-समय पर सामने आ रही है।

यदि धरती पर जीवन के लिए वृक्ष अनिवार्य है तो वृक्ष के लिए पहाड़ का अस्तित्व बेहद जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी जंगल उजाड़ दिये गये पहाड़ों से ही हुआ है। यह विडंबना है कि आम भारतीय के लिए पहाड़ पर्यटन स्थल है या फिर उसके कस्बे का पहाड़ एक डरावनी सी उपेक्षित संरचना। पर्वतीय राज्यों में बेहिसाब पर्यटन ने प्रकृति का हिसाब गड़बड़ाया तो गांव-कस्बों में विकास के नाम पर आये वाहनों के लिए चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने या कंक्रीट उगाहने के लिए पहाड़ को ही निशाना बनाया गया। भारत में भूस्खलन के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिमी घाट, दार्जिलिंग, सिक्किम और उत्तराखंड आते हैं। पूर्वोत्तर राज्य, पूर्वी घाट, कोंकण पर्वतमाला, नीलगिरी के पहाड़ को उच्च संवेदनशील इलाकों में गिना जाता है जबकि हिमालय के उस पार के इलाके, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति, गुजरात से दिल्ली तक की अरावली पर्वत, दक्कन का पठार, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा को कम संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है.

सड़कों और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ ढलानों से नीचे आता मलबा नदी-नाले को अवरुद्ध कर देता है। इस कारण दुर्घटनाएं होती हैं। जल धारा अवरुद्ध होने से उसके जल पर निर्भर आबादी को स्वच्छ जल मिलना मुश्किल हो जाता है। पहाड़ के क्षरण से गिरता मलबा नदियों को उथला बना देता है। ऐसे में यदि बरसात भी हो रही हो, तो बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाता है। भूस्खलन का सबसे बड़ा कारण धरती से हरियाली की छतरी का कम होना है। जिस अरुणाचल प्रदेश को भूस्खलन के लिए सर्वाधिक संवेदनशील माना गया है, वहां 2021 में 2,57,500 वर्ग किलोमीटर में वनों की कटाई दर्ज की गयी। पूर्वोत्तर राज्य पहाड़ गिरने से अत्यधिक प्रभावित हैं और यहां वनों की कटाई भी सर्वाधिक है। पेड़ों की अनुपस्थिति में मिट्टी और चट्टानों को बांध कर रखने वाले प्राकृतिक गुण कम हो जाते हैं। बगैर पेड़ के धरती पर बरसात की बूंदें चोट करती हैं, जिससे मिट्टी की ऊपरी परत कमजोर हो जाती है। जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने भी पुष्टि की है कि अंधाधुंध वनों की कटाई के चलते पश्चिमी महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में भूस्खलन में इजाफा हुआ है। उत्तर पूर्व के राज्यों में पहाड़ ढहने का एक कारण झूम खेती भी है, जिसके लिए जंगलों को जलाने से धरती की ऊपरी परत को गंभीर नुकसान होता है और जब तेज बरसात होती है, तो जमीन का क्षरण होता है। हिमालय न केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक भी चलती रहती हैं। हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंड्री पर तनाव ऊर्जा संग्रहित हो जाती है, जिससे क्रिस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विरूपण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फाल्टों के जरिये सामने आती है। जब पहाड़ पर तोड़फोड़ या धमाके होते हैं, उसके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ होती है तो दिल्ली तक भूकंप के खतरे तो बढ़ते ही हैं, यमुना में कम पानी का संकट भी खड़ा होता है।

जलवायु परिवर्तन के चलते भारी और अनियमित बरसात पहाड़ों के गिरने का बड़ा कारण है। उत्तराखंड में भूस्खलन की तीन-चौथाई घटनाएं बरसात के कारण हो रही हैं। कुमाऊं हिमालयी क्षेत्र का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा भूकंप के कारण भूस्खलन की चपेट में है। पहाड़ों की नाराजगी का बड़ा कारण खनन है। खनन जैसी इंसानी मनमानी हरियाली आवरण और मिट्टी की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचा रही है। इससे धरती की भूजल ग्रहण क्षमता कम हो जाती है, फलस्वरूप बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाता है इसलिए भूकंप और भारी वर्षा के दौरान कमजोर हो गयी धरती के टुकड़े गिरने लगते हैं। पहाड़ को सबसे बड़ा खतरा बढ़ते शहरीकरण और निर्माण कार्यों से है। यदि पहाड़ से गिरने वाली आफत से निजात पाना है, तो पहाड़ों पर हरियाली को बढ़ाना होगा।

भाइयों की खुशहाली के लिये बहनें मनाती हैं भाई दूज

हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है. भाई दूज को यम द्वितीया या भ्रातृ द्वितीया भी कहा जाता है। यह पर्व रक्षाबंधन की तरह ही मनाया जाता है। इसमें बहनें अपने भाई की सलामती के लिए तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। इस साल भाई दूज की तारीख को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कुछ लोग 26 अक्टूबर को तो कुछ लोग 27 अक्टूबर को भाई दूज मनाने की बात कह रहे हैं। ऐसे में आइये आपका कनफ्यूजन दूर करते हैं...।

26 को ही मनाएं भाई दूज

इस साल कार्तिक कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि 26 और 27 अक्टूबर दोनों दिन लग रही है। यही वजह है कि लोगों को कन्फ्यूजन हो रहा है। द्वितीया तिथि 26 अक्टूबर को दोपहर 02:43 मिनट से शुरू होकर 27 अक्टूबर को दोपहर 12:45 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 26 अक्टूबर को ही भाई दूज का पर्व मनाना शास्त्र के अनुकूल रहेगा। इस दिन भाई को तिलक करने का शुभ मुहूर्त दोपहर 12:14 मिनट से लेकर 12:47 मिनट तक रहेगा।

पूजा सामग्री

कुमकुम, पान, सुपारी, फूल, कलावा, मिठाई, सूखा नारियल और अक्षत आदि। तिलक करते वक्त इन चीजों को पूजा की थाली में रखना ना भूलें।

क्यों मनाया जाता है भाई दूज?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्यदेव और उनकी पत्नी छाया की दो संताने थीं, यमराज और यमुना। दोनों में बहुत प्रेम था। बहन यमुना हमेशा चाहती थीं कि यमराज उनके घर भोजन करने आया करें। लेकिन यमराज उनकी विनती को टाल देते थे। एक बार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि पर दोपहर में यमराज उनके घर पहुंचे। यमुना अपने घर के दरवाजे पर भाई को देखकर बहुत खुश हुईं। इसके बाद यमुना ने मन से भाई यमराज को भोजन करवाया। बहन का स्नेह देखकर यमदेव ने उनसे वरदान मांगने को कहा। इसपर उन्होंने यमराज से वचन मांगा कि वो हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भोजन करने आएं। साथ ही मेरी तरह जो बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार के साथ टीका करें, उनमें यमराज का भय न हो। तब यमराज ने बहन को यह वरदान देते हुआ कहा कि आगे से ऐसा ही होगा। तब से यही परंपरा चली आ रही है। इसलिए भैयादूज वाले दिन यमराज और यमुना का पूजन किया जाता है।

27 को पूजन का है शुभ मुहूर्त

हालांकि कई जगहों पर उदया तिथि के हिसाब से भाईदूज का पर्व मनाते हैं। ऐसे में 27 अक्टूबर को भी भाई दूज मना सकते हैं। इस दिन तिलक का शुभ मुहूर्त सुबह 11.07 मिनट से दोपहर 12.46 मिनट तक रहेगा।

12:14 मिनट से लेकर 12:47 मिनट तक रहेगा शुभ मुहूर्त

कहानी | दोस्तों को दूर करना

एक बार बीरबल कहीं बाहर गये हुए थे तब अकबर ने दरबारियों के सामने एक समस्या रखी कि वे आजकल अपने पुत्र सलीम और उसके एक मित्र यूसुफ की दोस्ती के कारण परेशान हैं क्योंकि सलीम गलत संगत में पड़ रहे हैं। दरबारियों ने कई सलाह दी जैसे यूसुफ को दूर भेज दें, युवराज सलीम को बताएं कि वे यूसुफ के बारे में क्या सोचते हैं आदि। सभी को अकबर ने अस्वीकार कर दिया। जब बीरबल लौटे तो अकबर ने वही समस्या उसके सामने रखी। बीरबल-मुझे केवल दो दिन का वक्त दीजिए, जहांपनाह। अगले दिन बीरबल यूसुफ के पास गये और यह देखते हुए कि युवराज सलीम उन्हें देख रहे हैं, यूसुफ के कान में कहा, यूसुफ हर आम में एक बीज होता है। और फिर बीरबल जोर से बोले यह बात किसी को मत बताना। और चले गये। तभी सलीम यूसुफ के पास आये और बोले बीरबल, तुम्हारे कान में क्या कह रहा था ? कुछ नहीं यूसुफ बोला। हां, उसने कुछ कहा, मैंने देखा। कुछ बकवास, मैं नहीं समझ पाया। अगर तुम मुझे नहीं बताओगे, तो मैं कभी तुमसे बात नहीं करूंगा। अगर तुम जबरदस्ती करते हो तो मैं बताता हूं। वह बोला, हर आम में एक बीज होता है। मैं विश्वास नहीं करता और आज से तुम मेरे मित्र नहीं हो। अगर तुम मुझ पर भरोसा नहीं करते तो मैं भी तुम्हें अपना मित्र नहीं मानता। दोनों दोस्त चले गये और फिर एक दूसरे से कभी बात नहीं की।

शिक्षा-लोगों को सच पर विश्वास दिलाना मुश्किल है जब कि दोस्तों के बीच शक का बीज बोना आसान है।

हंसना मना है

पति अचानक से पत्नी को खरी-खोटी सुनाने लगा। लोगों ने पूछा क्यों डांट रहे हो बेचारी को? पति बोला- इसने मेरी चाय में ताबीज डाला है, मुझे वश में करने के लिए। मुझे मेरी मां से दूर करना चाहती है. बीवी रोते हुए गुस्से में बोली, वो ताबीज नहीं टी बैग है।

डॉक्टर (पेशेंट की पत्नी से)- आपके पति को बहुत ज्यादा आराम की जरूरत है, ये लो नींद की गोलियां। पत्नी- उन्हें ये कब देनी है? डॉक्टर- ये उनके लिए नहीं, आपके लिए है।

टीटू: जानता है सगाई और शादी के बीच में थोड़ा समय क्यों रखा जाता है? शौंटी: क्यों? टीटू: ताकि कोई ये न कह सके कि मुझे दुर्घटना से बचने का मौका नहीं दिया गया।

पेशेंट: डॉक्टर मुझे अजीब बीमारी है। मुझे एक की जगह 2 दिखाई देते हैं। डॉक्टर: घबराएं नहीं, पहले ये बताएं कि क्या आप चारों को एक ही बीमारी है?

7 अंतर खोजें

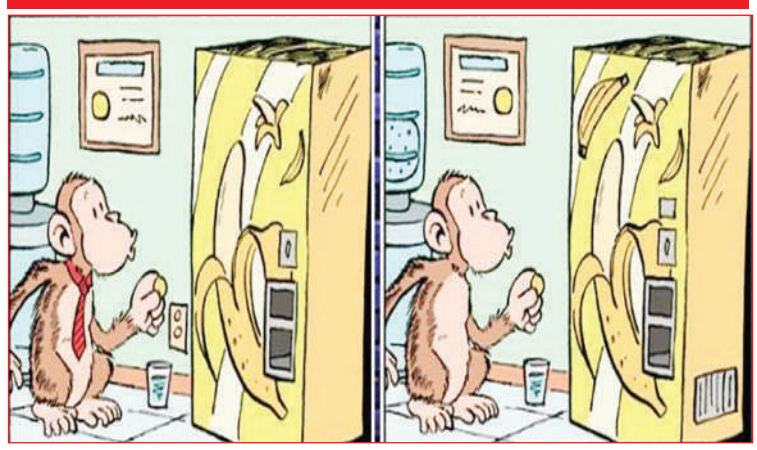

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

अपनी खुशियां बलिदान करेंगे। लेकिन इसके बदले में आपको कुछ उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वादविवाद का सामना करना पड़ सकता है-

वृषभ

आज दिवाली का दिन आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप पूरा दिन एन्जॉय करेंगे। परिवार के साथ किसी अच्छी जगह घूमने जायेंगे। आपका पूरा दिन मौज-मस्ती में बीतेगा।

मिथुन

पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। हालात को काबू रखने के लिए अपने भाई की मदद ले। विवाद को ज्यादा तूल देने के बजाय उसे दोस्ताना तरीके से हल करने कोशिश करें।

कर्क

आज के दिन आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। अपनी जीवन में एक संगीत पैदा करें

सिंह

कोई पुरानी बात आपको थोड़ा परेशान कर सकती है। परिवार से जुड़ी कुछ समस्याएं सामने आ सकती हैं, धैर्य और संयम से काम लें। रिश्तेदारों के साथ भी कुछ अनबन हो सकती है।

कन्या

आज आलस का अनुभव होगा। धनहानि का योग है। संतान सुख की प्राप्ति से मन प्रसन्न होगा। कुछ लोग आपकी बुराई करेंगे और आपके कामकाज में कमी निकालने की कोशिश कर सकते हैं।

तुला

यह इस बात को समझने का सही वक्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को खत्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं।

वृश्चिक

धैर्य रखने की जरूरत है। धैर्य से आज आपके सारे काम बनते नजर आयेंगे। आर्थिक स्थिति भी बेहतर बनी रहेगी। जीवनसाथी से अपने कामों में सहयोग मिल सकता है।

धनु

आज परिवार के सदस्यों के सहयोग से आप समस्या का समाधान करने में सफल रहेंगे। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

मकर

अपना मूड बदलने के लिए सामाजिक मेलजोल का सहारा लें। निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए। किसी दूर के रिश्तेदार के यहां से मिली आकस्मिक अच्छी खबर आपके पूरे परिवार के लिए खुशी के लम्हे लाएगी।

कुम्भ

आज जीवनसाथी और बच्चों को पूरा-पूरा समय देंगे, आपके रिश्ते मजबूत होंगे। आज आप काफी तरोताजा महसूस करेंगे और अपने काम को बेहतर ढंग से कर पायेंगे।

मीन

आज दिवाली के दिन शुभ कार्यों का आयोजन होगा। आनंद और खुशी लहलहाएगी। आपके संबंध को नई गहराई मिलेगी। आपकी जिंदगी में आज आपका प्यार कदम रखेगा।

छोटा पर्दा | मन की बात

निर्माता-निर्देशक के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा था : मीरा

मीरा देवस्थले, जो अनिल वी. कुमार द्वारा निर्देशित रात्रि के यात्री 2 का हिस्सा हैं, ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्होंने यह परियोजना की। अभिनेत्री ने कहा कि निर्माता-निर्देशक के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा था। मैं अनिल सर के साथ काम करने के लिए उत्सुक थी क्योंकि मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना था और मैं अनुभव करना चाहती थी। दूसरी बात, जब मैंने एपिसोड के कलाकारों के बारे में सुना और मुझे एहसास हुआ कि मैं शरद मल्होत्रा और शेफाली जरीवाला के अपोजिट रहूंगी, मैंने सोचा कि यह एक अच्छा सहयोग था। यह मेरे लिए वेब स्पेस पर एक तरह की शुरूआत थी। उन्होंने आगे कहा, अनुभव अद्भुत था। यह दो दिवसीय शूटिंग थी और दो दिनों में बहुत काम किया गया था। वह और उनकी पूरी टीम इस बात पर बहुत स्पष्ट है कि वे कैसे चाहते थे कि कहानी कैसी होनी चाहिए। इसलिए यह एक अद्भुत अनुभव था। कहानियों की कंटेंट काफी बोल्ड और वास्तविक है, मीरा ने कहा, यह एक ऐसा विषय है जो आंखों को आकर्षित करेगा। लोग इसके बारे में अधिक जानना चाहेंगे। मैं स्वीटी की भूमिका निभा रही हूं, जो मनोज से जुड़ी हुई है।

ब्रीद सीजन 3 का टीजर हुआ रिलीज

अभिषेक बच्चन की सीरीज में दिखा सस्पेंस का डबल डोज

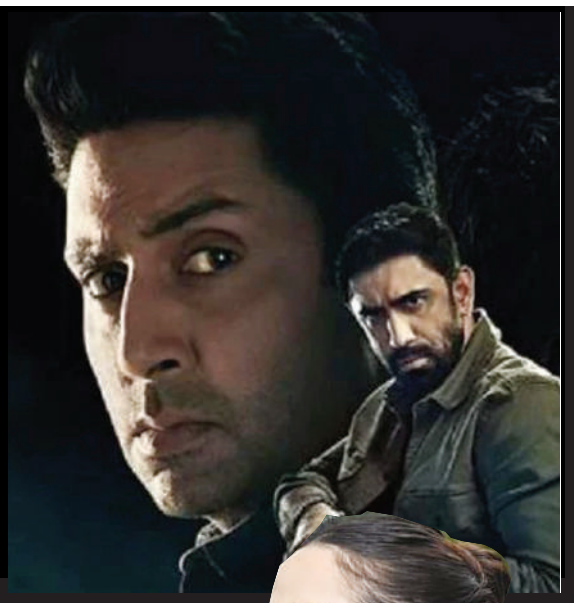

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन और अमित साध की फेमस वेब सीरीज ब्रीद सीजन का टीजर जारी हो चुका है। ब्रीद का टीजर काफी सस्पेंस और थ्रिलर से भरा हुआ है। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग 9 नवंबर 2022 कोअमेजन प्राइम वीडियो पर होगी।

अभिषेक बच्चन की अपकमिंग वेब सीरीज ब्रीद का टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर काफी थ्रिलर और सस्पेंस से भरा हुआ है। ब्रीद के इस नए सीजन में काफी कुछ नया देखने को मिलेगा। टीजर में अभिषेक बच्चन की शानदार एक्टिंग दर्शकों का दिल जीत लेगी। अभिषेक बच्चन और अमित साध की Breathe को दोनों सीजन को काफी पसंद किया गया है। दोनों सीजन की सफलता के बाद मेकर्स फैंस के लिए सीजन 3 लेकर आए हैं। साल 2020 में ब्रीद इन टू शैडो का दूसरा सीजन रिलीज हुआ था। सीजन 2 में अभिषेक बच्चन ने एक्टर आर माधवन को रिप्लेस किया है। सीजन 2 में अभिषेक की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था। ब्रीद सीजन 3 के रिलीज डेट का खुलासा हो चुका है। बता दें कि सीजन 3 की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग 9 नवंबर 2022 कोअमेजन प्राइम वीडियो पर होगी। वेबसीरीज में अभिषके बच्चन और अमित साध मुख्य किरदार में है।

उर्फी जावेद ने तोड़ा फैंस का दिल

खा लिया शादी का लड्डू!

बॉलीवुड | गपशप

बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट और टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद इन दिनों सोशल मीडिया सेंसेशन बनी हुई हैं। वो लगातार अपने अतरंगी ड्रेसिंग और लुक से लोगों को हैरान करती दिख रही हैं। उनके हर लुक सबसे ऐसा होता है कि फैंस अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं कर पाते हैं। उन्हें हर बार अपने कपड़ों की वजह से ट्रोल भी होना पड़ता है। लेकिन इस बार तो उन्होंने अपने फैंस का दिल ही तोड़ दिया। उर्फी अब सब कुछ भूल शादी के बंधन के बंधने जा रही हैं। आपको बता दें कि उर्फी ने शादी का लड्डू खा लिया है। उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में पहले वो ब्रालेट और सिंपल पजामा पहने सोफे पर बैठकर अपना फोन चलाती दिख रही हैं। फिर अचानक की उनके गेट की घंटी बजती है और कोई उन्हें शादी के लड्डू का डिब्बा पकड़ाकर चला जाता है। वहीं उर्फी उस डिब्बे से एक लड्डू निकालकर अपने हाथ में लेती हैं। इसके बाद बस पलक झपकते ही उनके कपड़े चेंज हो जाते हैं और हॉट सी साड़ी में दिखने में दिखने लगती हैं। कहती हैं, क्या सोचा था कि लड्डू का भी आउटफिट बना दूंगी। कुछ चीजें एक्सपीरियंस के लिए भी होती हैं। वो कहते हैं ना कि जो शादी का लड्डू खाए वो भी पछताए और जो न खाए वो भी पछताए। इसके बाद वो अपने हाथ में पकड़े हुए लड्डू को खा लेती हैं और कहती हैं कि बेहतर है कि इसे खा ही लिया जाए। उर्फी जावेद का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसपर लगातार फैंस के रिएक्शन आ रहे हैं। दर्शक जवाब मांग रहे हैं।

अजब-गजब | जानिए जहरीले टाउन के बारे में

यहां पर सांस लेने से ही हो जाती है किसी की मौत

दुनिया में कई रहस्य छिपे हुए हैं जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इन रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठाया जा सका है। वैज्ञानिकों ने इन रहस्यों को सुलझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उन्हें अभी तक कोई सफलता नहीं मिला पाई है। इन रहस्यों के बारे में जानकर लोगों को यकीन नहीं होता है। दुनिया के ये जगहें अपनी खूबसूरती और इतिहास की वजह से पूरी दुनिया में जानी जाती है। आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताएंगे जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। यह जगह पूरी तरह अब वीरान हो गई है और इस शहर को पूरी तरह खाली करा दिया गया है। प्रशासन ने 31 अगस्त को इस खतरनाक जगह को खाली करा दिया गया। उसका कहना है कि इंसानों के लिए यह स्थान सुरक्षित नहीं है। अब यहां से लोगों को हमेशा के लिए हटा दिया गया है। आइए जानते हैं कि इस खतरनाक जगह के बारे में....

यह रहस्यमयी और खतरनाक जगह ऑस्ट्रेलिया में मौजूद है जिसका नाम विट्टेनुम है। इस जगह को माइनिंग टाउन कहा जाता है। हालांकि इसको ऑस्ट्रेलिया का चेर्नोबिल कहते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस जगह की हवा बेहद जहलीरी हो चुकी है। इसकी वजह से लोगों के लिए यहां सांस लेना मुश्किल है। अजानकारों का कहना था कि यहां पर सांस लेने से किसी की जान भी जा सकती थी जिसकी वजह से इस शहर से सभी को बाहर निकाल दिया गया। बताया जा रहा है कि इस शहर को अब मैप से भी हटाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के विट्टेनुम क्लोजर एक्ट के तहत इस शहर को लोगों को खाली करने की चेतावनी दी गई थी।

प्रशासन ने लोगों से कहा था कि लोग शहर को खुद खाली कर दें, नहीं तो उनको जबरदस्ती शहर से हटाया जाएगा। इस शहर में साल 1943 से लोग आकर रहने लगए हैं। माइनिंग एरिया के कारण यहां पर जहरीली गैसें निकलती थी। जहरीली गैसों की वजह से धीरे-धीरे कई लोगों की मौत होने लगी। साल 1966 में लॉस और स्वास्थ परेशानियों की वजह से विट्टेनुम माइन को बंद करा दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों की मौत होने की वजह से इस शहर को खाली करा दिया गया। बताया जाता है कि यह पर रहने वाला करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई है। एक स्टडी के अनुसार, इस माइन में करने वाले हर कर्मचारी की जान चुकी है। अब बीते 31 अगस्त को इस शहर को पूरी तरह बंद करा दिया गया।

कई रंगों के होते हैं नमक, जानिए ईरान के सॉल्ट माउंटेंस के बारे में

ईरान आए दिन अजीबोगरीब वजहों से सुर्खियों में बना रहता है। अब चाहे वह महिलाओं की आजादी पर लगने वाली पाबंदी हो, या देश के भीतर ही छिड़ी जंग। लेकिन इन सबके बाद भी ईरान में बहुत कुछ अच्छा है और यह कई तरह के अजूबों से भरा है। यहां पर अलग-अलग तरह के पहाड़ भी देखने को मिल जाते हैं, जो दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम और मध्य इलाके में है। खास बात ये है कि अलग-अलग मौसम में इन पहाड़ों का रंग भी अलग-अलग नजर आता है। दरअसल, अजबैजान और ईरान में मौजूद इन पहाड़ों का मुख्य हिस्सा ईरान में पड़ता है। इनका सबसे अधिक हिस्सा जागरोस फोल्डेड जोन (Zagros Folded Zones) और पारस की खाड़ी वाले इलाके में है। इसके साथ ही ईरान के करमन, होर्मोजगान, सेमनान और घोम प्रांत में ये पहाड़ सबसे ज्यादा दिखाई देते हैं। ईरान के बुशहर काउंटी के जशक सॉल्ट डोम, घेसाम आइलैंड स्थित नमकदान, फार्स प्रांत के केनर सियाह और जहानी, जंजान के अंगुरन और घोम प्रांत के घोम काउंटी नमक के सबसे खूबसूरत पहाड़ हैं। खास बात ये है कि इन पहाड़ों को कोई भी दूर से देखकर ही पहचान सकता है। क्योंकि ये अलग-अलग रंग और आकार के होते हैं। इन नमक के पहाड़ों की उत्पत्ति, जमीनी उत्पत्ति की वजह से हुई है। ये एक तरह के कार्स्ट पहाड़ हैं, जिनमें गुफाएं, झरने और नमक के ग्लेशियर हैं। दुनिया के किसी भी कोने में ऐसा सुंदर नजारा देखने को नहीं मिलता। केवल जागरोस पहाड़ों के दक्षिणी इलाके में 130 सॉल्ट डोम्स देखने को मिलते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन नमक के पहाड़ों में 6400 मीटर गहरी गुफाएं, नमक के ग्लेशियर, नमक के झरने, कार्स्ट सिंकहोल, नमक की घाटियां, नमक के फव्वारे हैं, जो अपने आप में एक अजूबा है। ईरान की घेसम सॉल्ट डोम दुनिया की सबसे लंबी नमक की गुफा है। ये गुफाएं इंसानी बस्तियों से दूर भले हैं, लेकिन यहां पर्यटक इन्हें देखने जरूर आते हैं। इसका नाम यूनेस्को की ऐतिहासिक विरासतों वाली संभावित सूची में शामिल हैं। आमतौर पर नमक के पहाड़ एनहाइड्राइट, हैलाइट, जिप्सम और क्ले खनिजों से बने होते हैं। इन्हीं की वजह से यहां दिखने वाले गहरे रंग उभर जाते हैं। हैरानी की बात तो ये है कि हाल ही में मंगल ग्रह पर भी ऐसे पहाड़ देखे गए हैं, लेकिन वो सल्फेट्स से बने होते हैं। ऐसे में उनका इन नमक के पहाड़ों से कोई लेना-देना नहीं है।

शेखावत के बयान पर राजस्थान भाजपा में मची रार

अपनी ही पार्टी के निशाने पर आए केंद्रीय मंत्री

» मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को लेकर की थी विवादास्पद टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान भाजपा में खींचतान जारी है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बिना पेंदे के भरतपुरिया लोटा वाले बयान पर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने उन पर निशाना साधा है। चतुर्वेदी ने कहा कि शेखावत को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए था। भरतपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि महाराजा सूरजमल के योगदान और उनके संघर्ष को कोई नकार नहीं सकता। पूरे राजस्थान में हर कोने का अपना महत्व है। हर क्षेत्र की एक खासियत है। हम किसी भी क्षेत्र और जाति का योगदान कम नहीं मान सकते।

वसुंधरा सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रहे वरिष्ठ भाजपा नेता चतुर्वेदी ने बीकानेर में पूर्व उप राष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत के जन्म शताब्दी समारोह में इशारों में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर जमकर निशाना साधा। चतुर्वेदी ने भैरोसिंह शेखावत के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भैरोसिंह शेखावत एक छोटे से गांव निकलकर राजनीति में नक्षत्र की तरह चमके। राजस्थान के सीएम बने। फिर उपराष्ट्रपित बने। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हाल ही में मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पर निशाना साधते हुए उन्हें बिना पेंदे का भरतपुरिया लोटा बताया था। उन्होंने कहा था कि राजेंद्र गुढ़ा अवसरवादी है। गहलोत कैंप से पाला बदलकर सचिन पायलट की तारीफ कर रहे हैं। ऐसे लोग अवसरवादी होते हैं। उन्होंने यह तुलना झुंझुनूं के उदयपुरवाटी से विधायक एवं सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को लेकर की थी। शेखावत ने कहा कि गुढ़ा कब किस के पास चले जाएं पता नहीं है। उनका तो भगवान ही मालिक है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ऐसा कहा जाता है कि भरतपुर का लोटा बिना पेंदे का होता है पता नहीं चलता कब किधर लुढ़क जाए। शेखावत के इस बयान की निंदा मंत्री भजनलाल जाटव और सुभाष गर्ग ने की। सार्वजनिक निर्माण विभाग के मंत्री भजनलाल जाटव ने कहा कि गजेंद्र सिंह शेखावत को ऐसी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

भाजपा में शामिल होंगे 22 बागी विधायक: शिवसेना

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने रविवार को अपने मुखपत्र सामना में दावा किया कि शिवसेना के 40 बागी विधायकों में से 22 जल्द ही भाजपा में शामिल हो जाएंगे। शिवसेना ने बारिश और सुखाड़ के दौरान निष्क्रिय रहने के लिए महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर भी तंज कसा है। उद्धव की शिवसेना ने दावा किया है कि एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा की एक अस्थायी व्यवस्था है। शिंदे गुट का महाराष्ट्र की ग्राम पंचायत और सरपंच चुनाव में सफलता का दावा झूठा है। शिंदे समूह के कम से कम 22 विधायक नाराज हैं। यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि इन विधायकों में से अधिकांश का भाजपा में विलय हो जाएगा। शिंदे के कार्यों से महाराष्ट्र को नुकसान हुआ है और राज्य उन्हें माफ नहीं करेगा।

एमएलसी केदारनाथ पांडेय का निधन

» मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जताया शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के बड़े नेताओं में शुमार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विधान परिषद सदस्य केदारनाथ पांडेय का आज सुबह निधन हो गया। वह सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान परिषद के सदस्य थे। उन्होंने नई दिल्ली के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित तमाम नेताओं ने शोक जताया है।

केदारनाथ पांडेय लगातार पांच टर्म से एमएलसी थे। वह बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के महासचिव भी थे। शिक्षक संघ में उनकी लंबी पारी रही। उनके निधन पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना जताई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ पांडेय एक कुशल राजनेता एवं समाजसेवी थे। उन्हें बिहार में शिक्षकों के हित के लिए काम करने वालों में सबसे बड़ी आवाज माना जाता था। उनके निधन से शैक्षणिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में बड़ा नुकसान हुआ है।

आईटीडीसी के चेयरमैन पद से संबित को हटाए सरकार: आतिशी

» आप नेता ने लगाया सरकारी कार्यालय के गलत इस्तेमाल का आरोप

» केंद्रीय पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर पद से हटाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा पर हमला बोला है। पार्टी नेता आतिशी ने संबित पात्रा पर पद के दुरूपयोग का आरोप लगाया। आतिशी ने कहा कि मैंने केंद्र सरकार के टूरिज्म मंत्री कृष्ण रेड्डी को पत्र लिखा है। इसके अलावा इसकी एक प्रतिलिपि सेंट्रल विजिलेंश कमीशन को भी भेजी है। मैंने उसमे संबित पात्रा को इंडियन टूरिज्म डलवलमेंट कमीशन के चेयरमैन पद से हटाए जाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि पत्र में कहा गया है कि 30 नवंबर 2021 को उन्हें आईटीडीसी का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। यह केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत आता है। चेयरमैन नियुक्त होने के बाद संबित सरकारी कर्मचारी के तहत आते हैं। नियम के मुताबिक सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं होगा। वो किसी पार्टी के लिए प्रचार नहीं कर सकता है लेकिन संबित नियुक्त होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। वे अक्सर भाजपा के लिए चुनाव में प्रचार करते हैं। यह पद का दुरूपयोग है। संबित पात्रा कई राजनीतिक डिबेट में अपने सरकारी कार्यालय में बैठकर हिस्सा लेते हैं जो सरकारी कार्यालय का दुरूपयोग है इसलिए मैने यह पत्र केंद्रीय मंत्री को लिख कर संबित पात्रा को चेयरमैन पद से हटाए जाने की मांग की है।

मुख्तार अंसारी के परिवार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई

» दोनों बेटों की 7.5 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्तार अंसारी के परिवार पर मऊ पुलिस और जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। ऑपरेशन प्रहार के तहत मऊ के जहांगीराबाद में मुख्तार अंसारी के दोनो बेटों अब्बास अंसारी और उमर अंसार की 7 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क कर ली है। गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल सात करोड़ 51 लाख 50 हजार की जमीन को कुर्क किया गया है। सदर विधायक अब्बास अंसारी को हाल में कोर्ट ने जमानत दी है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। मुख्तार अंसारी और उसके परिवार की संपत्ति दूसरे जिलों में भी कुर्क की गई हैं। जांच में पता चला कि यह जमीन आपराधिक तरीके से अर्जित की गई थी, जिसके बाद जिलाधिकारी ने संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए थे।

यूपी को दूसरे हाथी रिजर्व के लिए मिली मंजूरी

» चार प्रजातियों का होगा संरक्षण, लखीमपुर को मिलेगा लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) की मंजूरी के बाद लखीमपुर खीरी में हाथी रिजर्व बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए प्रस्ताव का मसौदा दुधवा टाइगर रिजर्व (डीटीआर) के अधिकारियों ने इस साल अप्रैल में तैयार किया था और 11 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रालय को भेजा गया था। एमओईएफसीसी में प्रोजेक्ट हाथी के डायरेक्टर रमेश पांडे ने कहा कि टीईआर देश में 33 वां और उत्तर प्रदेश में दूसरा होगा।

उत्तर प्रदेश में पहला हाथी रिजर्व सहारनपुर और बिजनौर जिलों के शिवालिक में 2009 में अधिसूचित किया गया था। रमेश पांडे ने कहा कि टीईआर को 3,049.39 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा, जिसमें पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर), दुधवा नेशनल पार्क (डीएनपी), किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य (केडब्ल्यूएस), कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य (केजीडब्ल्यूएस), दुधवा बफर जोन और वन क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करने के बाद काम शुरू होगा। दुधवा टाइगर रिजर्व (डीटीआर) चार प्रतिष्ठित जंगली प्रजातियों – बाघ, एक सींग वाले गैंडे, एशियाई हाथी और दलदली हिरण की रक्षा और संरक्षण का श्रेय अर्जित करेगा। इससे इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

कांग्रेस पर भारी पड़ सकती युवा पदाधिकारियों की नाराजगी

» 14 ने किया था आवेदन, सभी टिकट की दौड़ से बाहर

» हिमाचल प्रदेश में नाराज नेताओं ने पार्टी के प्रचार से बना ली है दूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव में भाजपा को पटकनी देकर सत्तासीन होने का सपना संजोये बैठी प्रदेश कांग्रेस की राह आसान नहीं दिख रही। टिकट तय होने के साथ ही कांग्रेस में विद्रोह भी शुरू हो गया है। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निगम भंडारी, कार्यकारी अध्यक्ष यदोपति ठाकुर व सुरजीत भरमौरी सहित 14 पदाधिकारियों ने टिकट के लिए आवेदन किया था। इनमें से किसी को भी टिकट नहीं मिला है। युवा कांग्रेस के अलावा एनएसयूआई, महिला कांग्रेस व अन्य विभागों के प्रमुख टिकट आवंटन से नाराज हैं। टिकट न मिलने से नाराज युकां पदाधिकारियों ने प्रचार से दूरी बना ली है।

पार्टी के अग्रणी संगठन ही चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा काम करते हैं। प्रचार-प्रसार के अलावा पोस्टर लगाने, रैलियों में भीड़ जुटाने आदि की जिम्मेदारी इनकी होती है। यदि कांग्रेस इन्हें मनाने में कामयाब नहीं होती तो बड़ा नुकसान हो सकता है। प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष निगम भंडारी को टिकट न देकर कांग्रेस ने चौंकाने वाला फैसला लिया है। इस पर दिल्ली में भी काफी मंथन हुआ है। हालांकि निगम भंडारी को बताया गया था कि आपका टिकट तय है, जिसके बाद वह नामांकन की तैयारी के लिए दिल्ली से किन्नौर लौट आए थे। वह चंडीगढ़ भी नहीं पहुंचे थे कि उन्हें पता चला कि उनके टिकट को रोक दिया है। इसी बीच किन्नौर के विधायक जगत सिंह नेगी दिल्ली के लिए रवाना हो गए। दरअसल निगम भंडारी के टिकट का विरोध हिमाचल कांग्रेस के कई नेता शुरू से ही कर रहे थे। निगम भंडारी राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुए थे। युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष यदोपति ठाकुर ने कहा कि पूरे पांच साल युवा कांग्रेस के हर कार्यकर्ता ने मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाई। सड़क से लेकर विधान सभा के बाहर तक प्रदर्शन किए, मामले दर्ज हुए। टिकट न मिलने से पदाधिकारी निराश है। युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अमरप्रीत लाली का कहना है युवा कांग्रेस के 14 पदाधिकारियों ने टिकट के लिए आवेदन किया था। इसमें किसी को भी टिकट नहीं मिला है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष यह मामला रखा गया है। इससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।

अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा दुरुस्त रखें : बृजेश पाठक

» उप मुख्यमंत्री ने सभी सीएमएस को दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सभी सीएमएस को दीपावली पर इमरजेंसी सेवा दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीपावली से छठ तक इमरजेंसी में विशेष सुविधाएं रखी जाएं। अवकाश के चलते ओपीडी बंद होने पर इमरजेंसी में मरीजों की संख्या बढ़ेगी। इसलिए आपात सेवा में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लगाई जाए।

उन्होंने कहा कि दीपावली पर पटाखे आदि से झुलसने के मामले बढ़ने की आशंका रहती है। इसलिए मरीजों के उपचार की पुख्ता तैयारी रखी जाए। गंभीर मरीजों को लखनऊ के सिविल अस्पताल एवं केजीएमयू की बर्न यूनिट में रेफर किया जाए। इमरजेंसी में पांच विशेषज्ञों की टीम मौजूद रहे। किसी भी तरह की आपात स्थिति होने पर

चिकित्सा संस्थानों को अलर्ट कर मरीज को रेफर किया जाएगा ताकि मरीज के उच्च चिकित्सा संस्थान पहुंचते ही तत्काल सभी सुविधाएं मिल जाएं। उन्होंने सभी सीएमओ एवं सीएमएस को निर्देशित किया है कि अस्पताल में दवाओं के साथ डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की टीम बढ़ा दी जाए। अपरिहार्य स्थिति में ही छुट्टी दी जाए। जांच सुविधाएं एवं एंबुलेंस सुविधा का भी ध्यान रखा जाए।

विदेशों की तर्ज पर इमरजेंसी वाले मरीजों की बचाई जाएगी जिंदगी

यूपी में अब विदेशी सेवाओं की तर्ज पर इमरजेंसी वाले मरीजों की जिंदगी बचाई जाएगी। पहली बार जीएसवीएम समेत पुराने राजकीय मेडिकल कॉलेजों में इमरजेंसी विभाग शुरू होगा, इसका विभागाध्यक्ष भी होगा। इमरजेंसी में जूनियर और सीनियर रेजीडेंट डॉक्टर डेपुटेशन पर तैनात किए जाएंगे। 2-2 महीने तक सभी जेआर-एसआर को इमरजेंसी में स्थायी ड्यूटी करनी पड़ेगी। साथ ही दिवाली के बाद मेडिकल कॉलेजों में इमरजेंसी सेवाएं बदल जाएंगी। यहां पर डॉक्टर सिर्फ डब्ल्यूएचओ और एम्स दिल्ली के बनाए गए मॉडल को लागू कर मरीजों का इलाज करेंगे। इमरजेंसी में मरीज के साथ किसी भी तीमारदार को नहीं प्रवेश नहीं मिलेगा। जीएसवीएम समेत राजकीय मेडिकल कॉलेजों की ट्रेनिंग शनिवार को खत्म हो गई है। दिवाली के बाद अन्य कॉलेजों के विशेषज्ञों को अंतिम ट्रेनिंग शुरू की जाएगी।

गोंडा में दिवाली पर धमाके से दहला नवाबगंज महिला की मौत

» आतिशबाज का दो मंजिला मकान जमींदोज, मौके पर प्रशासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोंडा के नवाबगंज कस्बे का संचरही मोहल्ला दिवाली वाले दिन सुबह करीब सवा नौ बजे भयंकर धमाके से दहल उठा। धुएं गुबार के बीच कुछ देर बाद लोगों ने देखा कि आतिशबाज का दो मंजिला मकान जमींदोज हो चुका है। सूचना मिलते ही एसओ राकेश सिंह की अगुवाई की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। हालात को देखते हुए नगर पालिका की टीम जेसीबी लेकर पहुंची। पुलिस अफसरों के मुताबिक मलबे में दो से तीन लोग मलबे में दबे हैं। इनमें आतिशबाज की पत्नी को निकालकर अस्पताल भेजा गया।

जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि उसके बेटे इब्राहिम उर्फकनछेद 22 वर्ष को मलबे से निकालकर अस्पताल भेजा गया है। उसे लखनऊ रेफर किया गया है। सोमवार को कस्बे में लोग दिवाली की तैयारियों में जुट गए। इसी बीच करीब सवा नौ बजे संचरही मोहल्लेमें आतिशबाज मोहम्मद सईद उर्फ बड्डे के घर में जबरदस्त धमाका हुआ। धमाका इतना तेज था कि लोग दहल उठे। धुंआ-गुबार छंटने के बाद मौके पर जुटे लोगों ने देखा तो सईद का दो मंजिला मकान जमींदोज हो चुका है। सूचना मिलते ही नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई। लोगों की मदद से सईद के बेटे को मलबे से निकालकर अस्पताल भेजा गया। इसके बाद सईद की पत्नी खैरून निशा (55) को मलबे से निकालकर अस्पताल भेजा गया। जहां, डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद सईद उधर, नगर पालिका की टीम भी जेसीबी लेकर मौके पर पहुंच गई। फिलहाल मौके पर अफरातफरी का माहौल है।

दीपावली के अगले दिन बंद रहेगा काशी विश्वनाथ मंदिर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दीपावली के अगले दिन यानी 25 अक्टूबर साल 2022 का अंतिम सूर्य ग्रहण लगेगा। खंडग्रास ये सूर्य ग्रहण पूरे भारत में दिखाई देगा। 25 अक्टूबर (मंगलवार) को लगने वाले इस सूर्य ग्रहण के कारण नाथों के नाथ बाबा विश्वनाथ अपने भक्तों को 5 घंटे तक दर्शन नहीं देंगे।

इसके अलावा खजाने वाली देवी यानी माता अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी प्रतिमा के दर्शन भी साढ़े पांच घंटे तक नहीं होगा और न ही उनका खजाना विरतीत किया जाएगा। बाबा विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह सहित परिसर स्थित सभी मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि दोपहर 2 बजे पूजा अर्चना के बाद बाबा के कपाट बंद हो जाएंगे। इसके बाद ग्रहण के मोक्ष के बाद शाम 7 बजे उनका मंदिर खुलेगा, जिसके बाद ही भक्त उनका दर्शन कर सकेंगे।

निशातगंज में गायब मिले सफाईकर्मी संस्था के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दीपावली पर्व पर सफाई कार्यों का खुद ही निरीक्षण करने निकले नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को कई खामियां भी नजर आई। निशातगंज के कई इलाकों में गए नगर आयुक्त को कार्यदायी संस्था के दस कर्मचारी गायब मिले। काल्विन कालेज वार्ड में सफाई का काम देख रही वीआईपी सिक्योरिटी के संचालक पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने बताया कि सफाई कर्मचारियों की तैनाती न करके भुगतान लेने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई होगी और जिम्मेदार अधिकारियों को भी नहीं छोड़ा जाएगा। यहां मेवा नर्सरी के पास काकूड़ा एकत्र करने वाले मशीन का पंप खराब मिलने पर उसे ठीक करने का निर्देश दिया। सफाई कर्मचारियों के पास कूड़ा उठाने की ठेलिया की स्थिति जर्जर पाए जाने पर उन्होंने सभी सफाई कर्मचारियों को नई ठेलिया उपलब्ध कराने को कहा। कालोनी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से चयनित स्थानों पर ही कूड़ा डालने की अपील की। दीपावली के दिन कहीं कूड़ा न रहे, इसके लिए नगर आयुक्त ने सुबह शहर के कई इलाकों का भ्रमण किया।

निकायों में वार्डों के आरक्षण का फॉर्मूला तैयार

» जनसंख्या बढ़ने पर वार्डों का आरक्षण नए सिरे से माना जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने निकाय चुनाव के लिए वार्डों के आरक्षण का फॉर्मूला तय कर दिया है। नए और सीमा विस्तारित होने पर 50 फीसदी से अधिक जनसंख्या बढ़ने पर इन वार्डों का आरक्षण नया मानते हुए किया जाएगा। इसके आधार पर आबादी के आधार पर इन्हें पहले अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित किया जाएगा। पुराने वार्डों का आरक्षण चक्रानुक्रम व्यवस्था के आधार पर ही किया जाएगा।

प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने वार्डों के आरक्षण को लेकर आदेश जारी कर जिलाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश भेज दिए हैं। इसमें कहा गया है कि वार्डों का आरक्षण करते हुए इसकी जानकारी तीन सेटों के साथ पेनड्राइव में 4 नवंबर तक नगर विकास विभाग के अनुभाग एक में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। आरक्षण फॉर्मूले के आधार पर पहले अनुसूचित जनजाति,

अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए वार्ड आरक्षित किए जाएंगे। इसके बाद इसी वर्ग के पुरुषों के लिए श्रेणीवार वार्ड आरक्षित होंगे। इसके बाद वार्डों को अनारक्षित रखा जाएगा। पुराने निकायों में चक्रानुक्रम (रोटेशन) के आधार पर वार्डों का आरक्षण होगा। शासनादेश में कहा गया है कि नगर निकाय निर्वाचन वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कुछ नए निकाय बनाए गए हैं और कुछ का सीमा विस्तार हुआ है। इनमें वार्डों का परिसीमन वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर करने का निर्देश निकायों को दिया गया था। परिसीमन के दौरान कुछ पुराने के भाग मिलाए गए होंगे। इसलिए इनके आरक्षण में इसका ध्यान रखा जाएगा।

मायावती ने निकाय चुनाव के मद्देनजर संगठन में किया फेरबदल

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में करारी हार और फिर लोकसभा सीटों के उपचुनाव के बाद बसपा संगठन में किए गए फेरबदल में एक बार फिर बदलाव किया गया है। बसपा प्रमुख मायावती ने अब नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर पार्टी संगठन में पुनर्गठन कर वरिष्ठ पदाधिकारियों को नए सिरे से जिम्मेदारी सौंपी है। सूत्रों का कहना है कि अब लखनऊ, कानपुर और मेरठ मंडल के दो-दो जिलों को अलग-अलग करते हुए दो-दो पदाधिकारियों को लगाया गया है। इसी तरह दो-दो मंडलों के अब जोन बनाए गए हैं। मिर्जापुर मंडल को अकेले रखा गया है। अब तक तीन-तीन मंडलों के छह सेक्टर बनाकर दो-दो वरिष्ठ नेताओ को उनकी जिम्मेदारी दी गई थी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि सेक्टर, मंडल को बांटकर ज्यादा पदाधिकारी इसलिए लगाए गए हैं ताकि वे क्षेत्र में ज्यादा समय दे सकें। मुनकाद अली को आगरा व अलीगढ़, नौशाद अली को कानपुर व प्रयागराज, वाराणसी व आजमगढ़ डा. विजय प्रताप को, दिनेश चंद्रा को अयोध्या व देवीपाटन, इंदलराम को गोरखपुर, सुधीर भारती को बस्ती मंडल सौंपा गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।